



फाइल सं: SKT/1-5/CUHP/15/

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

(Accredited by NAAC with 'A+' Grade with CGPA of 3.42)

विभागनाम :संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग



आज़ादी का
अमृत महोत्सव

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग इत्यस्य पाठ्यसमिते: पञ्चदशोपवेशनस्य (BoS-15) कार्यवृत्तम्

संस्कृतपालिप्राकृतविभागस्य पाठ्यसमिते:पञ्चदशोपवेशनस्य (BoS-15)आयोजनं हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य धर्मशालास्थिते धौलाधारपरिसर-1 इति स्थले 25 अक्टूबर, 2023 इति दिने अपराह्णे (02: बजे) प्रतिभासीयेन (online) प्रत्यक्षेण (offline) च माध्यमेन सम्पन्नमभवत्।

अत्र आसन् :

1. प्रो. योगेन्द्रकुमारः, विभागाध्यक्षः, संस्कृतपालिप्राकृतविभागः, (अध्यक्षः संयोजकश्च पाठ्यसमितिः)
2. प्रो. रोशनलालशर्मा, अधिष्ठाता, भाषासंकायः (सदस्यः)
3. प्रो. वीरेन्द्रकुमारविद्यालंकारः, विभागाध्यक्षः, संस्कृतविभागः, पंजाबविश्वविद्यालयः, चंडीगढ़(बाह्यविशेषज्ञः)
4. प्रो. ब्रजेशपाण्डेयः, संस्कृतभारतीयाध्ययनसंकायः, जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालयः, कटवारियासराय, नवदेहली (बाह्यविशेषज्ञः)
5. डॉ. एन. आर. गोपालः, सहाचार्यः, आंग्लविभागः (कुलपतिद्वारानामितसदस्यः)
6. प्रो. ओ. एस. के. एस. शास्त्री, आचार्यः-भौतिकीखगोलविज्ञानविभागः (कुलपतिद्वारानामितसदस्यः)
7. डॉ. बृहस्पतिमिश्रः, सहाचार्यः, संस्कृतपालिप्राकृतविभागः (विभागीयसदस्यः) वरिष्ठः सहाचार्यः, विभागीयः सदस्यः
8. डॉ. कुलदीपकुमारः, सहायक आचार्यः, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभागः (विभागीयः सदस्यः) वरिष्ठः सहायक आचार्यः, विभागीयः सदस्यः
9. डॉ. विवेक शर्मा, सहायक आचार्यः, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभागः (विशेष आमन्त्रितसदस्यः)

अस्मिन् उपवेशने विभागाध्यक्षः अग्रलिखितां कार्यसूचीं समुपास्थापयत्

- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.1-20अप्रैल,2023 इति दिने आयोजितस्य पाठ्यसमिते: चतुर्दशोपवेशनस्य (BoS-14)कार्यवृत्तस्य अनुमोदनम्।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.2 -शास्त्रिपञ्चमसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य अनुमोदनम्।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.3- स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य SKT-344 इति कूटस्य अनुमोदनम्।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.4 -स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमसूच्याः श्रेयाङ्कविभागे संशोधनस्य अनुमोदनम्।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.5 -शास्त्रिकार्यक्रमस्य चातुर्वार्षिकपाठ्यक्रमस्य (संशोधितस्य) प्रारूपस्य अनुमोदनम्।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.6 - संस्कृतपालिप्राकृतविभागस्य शोधोपाधिसमिते: (RDC) 13 सितम्बर,2023 इति दिने सम्पन्नस्य उपवेशनस्य कार्यवृत्तस्य अनुमोदनम्।

उक्तानां स्थापितविषयाणां यथाक्रमं कार्यवृत्तम् इत्थमस्ति

- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.1-20अप्रैल,2023 इति दिने आयोजितस्य पाठ्यसमिते: चतुर्दशोपवेशनस्य (BoS-14)कार्यवृत्तस्य अनुमोदनम्। (संलग्नक सं.-1)

कार्यविवरणम्-

अत्र 20अप्रैल,2023 इति दिने आयोजितस्य संस्कृतपालिप्राकृतविभागस्य पाठ्यसमिते: चतुर्दशोपवेशनस्य (BoS-14) कार्यवृत्तस्य उपस्थापनं कृतम् | समितिसदस्यै: गभीरं विचार्य सर्वसम्मत्या तस्य अनुमोदनं कृतम् |

विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.2 शास्त्रिपञ्चमसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य अनुमोदनम् |

(संलग्नक सं.-2)

कार्यविवरणम्-

अत्र शास्त्रिपञ्चमसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य समिते: समक्षम् अनुमोदनार्थं समुपस्थापनं कृतम् | समितिसदस्यै: गहनं विचार्य शास्त्रिपञ्चमसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम् |

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस. 15.3- स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य SKT-344 इति कूटस्य अनुमोदनम् |
(संलग्नक सं.-3)

कार्यविवरणम्-

स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य SKT-344 इति कूटस्य पाठ्यक्रमस्य समिते: समक्षम् अनुमोदनार्थं समुपस्थापनं कृतम् | समितिसदस्यै: गहनं विचार्य तस्य पाठ्यक्रमस्य सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम् |

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.4 -स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमसूच्या: श्रेयाङ्कविभागे संशोधनस्य अनुमोदनम् |
(संलग्नक सं.-4)

कार्यविवरणम्-

विभागद्वारा स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य सूच्या: श्रेयाङ्कविभागे संशोधनं कृतमासीत् | समिते: समक्षम् तस्य अनुमोदनार्थं समुपस्थापनं कृतम् | तत् सर्वं समितिद्वारा निपुणं विभाव्य सर्वसम्मत्या अनुमोदितम् |

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.5 -शास्त्रिकार्यक्रमस्य चातुर्वार्षिकपाठ्यक्रमस्य (संशोधितस्य) प्रारूपस्य अनुमोदनम् |
(संलग्नक सं.-5)

कार्यविवरणम्-

शास्त्रिकार्यक्रमस्य चातुर्वार्षिकपाठ्यक्रमस्य (संशोधितस्य) प्रारूपस्य समिते: समक्षम् अनुमोदनार्थं समुपस्थापनं कृतम् यत् समित्या गहनं विचार्य सर्वसम्मत्या अनुमोदितम् |

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.6 - संस्कृतपालिप्राकृतविभागस्य शोधोपाधिसमिते: (RDC) 13 सितम्बर,2023 इति दिने सम्पन्नस्य उपवेशनस्य कार्यवृत्तस्य अनुमोदनम् |
(संलग्नक सं.-6)

कार्यविवरणम्-

शोधोपाधिसमिते: (RDC) 13 सितम्बर,2023 इति दिने सम्पन्नस्य उपवेशनस्य कार्यवृत्तस्य समिते: समक्षम् अनुमोदनार्थं समुपस्थापनं कृतम् यत् समित्या गहनं विचार्य सर्वसम्मत्या अनुमोदितम् |

अन्ते अध्यक्षेण सर्वेभ्यः सदस्येभ्यः धन्यवादान् वितीर्य कल्याणमन्त्रेण गोष्ठी समापिता |






1. प्रो. योगेन्द्रकुमारः, विभागाध्यक्षः, संस्कृतपालिप्राकृतविभागः, (अध्यक्षः संयोजकश्च पाठ्यसमितिः)

2. प्रो. रोशनरत्नशर्मा, अधिष्ठाता, भाषासंकायः (सदस्यः)

3. प्रो. वीरेन्द्रकुमारविद्यालंकारः, विभागाध्यक्षः, संस्कृतविभागः, पंजाबविश्वविद्यालयः, चंडीगढ़ (बाह्यविशेषज्ञः)-प्रतिभासीयमाध्यमेन

4. प्रो. ब्रजेशपाण्डेयः, संस्कृतभारतीयाध्ययनसंकायः, जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालयः, कटवारियासराय, नवदेहली

(बाह्यविशेषज्ञः)-प्रतिभासीयमाध्यमेन

5. डॉ. एन.आर. गोपालः, सहाचार्यः – आंग्लविभागः (कुलपतिद्वारानामितसदस्यः) 
6. प्रो. ओ.एस.के. एस.शास्त्री, आचार्यः – भौतिकीखगोलविज्ञानविभागः (कुलपतिद्वारानामितः सदस्यः) - प्रतिभासीयमाध्यमेन 
7. डॉ. बृहस्पतिमिश्रः, सहाचार्यः, संस्कृतपालिप्राकृतविभागः (विभागीयसदस्यः) वरिष्ठः सहाचार्यः, विभागीयः सदस्यः 
8. डॉ. कुलदीपकुमारः, सहायक आचार्यः, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग (विभागीय सदस्यः) वरिष्ठ सहायक –आचार्यः, विभागीय सदस्यः
9. डॉ. विवेकशर्मा, सहायक आचार्यः, संस्कृतपालिप्राकृतविभागः (विशेष आमन्त्रितसदस्यः)  

कार्यालयीय अनुवाद

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की पंचदशी (BoS-15) पाठ्य समिति का कार्यवृत्त

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की पंचदशी पाठ्यसमिति (BoS-15) की बैठक हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशालास्थित धौलाधार परिसर-1 में 25 अक्टूबर, 2023 को दोपहर 02: बजे प्रतिभासीय (online) और प्रत्यक्ष (offline) माध्यम से सम्पन्न हुई।

पाठ्यसमिति के सम्मानित सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं :

1. प्रो. योगेन्द्र कुमार, विभागाध्यक्ष- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, (अध्यक्ष एवं संयोजक, पाठ्य समिति)
2. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, भाषा संकाय (सदस्य)
3. प्रो. वीरेन्द्र कुमार विद्यालंकार, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (बाह्यविशेषज्ञ)
4. प्रो. ब्रजेश पाण्डेय, संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन संकाय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली (बाह्यविशेषज्ञ)
5. डॉ. एन.आर. गोपाल, सह-आचार्य – अंग्रेजी विभाग (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य)
6. प्रो. ओ.एस.के. एस.शास्त्री, आचार्य – भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य)
7. डॉ. बृहस्पति मिश्र, सह –आचार्य- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग (विभागीय सदस्य) वरिष्ठ सह-आचार्य, विभागीय सदस्य
8. डॉ. कुलदीप कुमार, सहायक आचार्य- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग (विभागीय सदस्यः) वरिष्ठ सहायक –आचार्य, विभागीय सदस्य
9. डॉ. विवेक शर्मा, सहायक आचार्य- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग (विशेष आमंत्रित सदस्य)

इस बैठक में विभागाध्यक्ष ने अग्रलिखित कार्यसूची का उपस्थापन किया

- विषयक्रः एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.1-20 अप्रैल, 2023 को चतुर्दशी पाठ्य समिति (BoS-14) की बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन |
- विषयक्रः एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.2 -शास्त्री पंचम सत्र के पाठ्यक्रम का अनुमोदन |
- विषयक्रः एस.के.टी./बी.ओ.एस. 15.3 – स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम SKT-344 का अनुमोदन |
- विषयक्रः एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.4 - स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम की सूची के श्रेयाङ्क विभाग के संशोधन का अनुमोदन |
- विषयक्रः एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.5 - शास्त्री अध्ययन कार्यक्रम चातुर्वार्षिक पाठ्यक्रम (संशोधित) के प्रारूप के संशोधन के संदर्भ में |



- विषयक्र : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.6 - संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की विभागीय शोध समिति (RDC) के अनुमोदन के संदर्भ में |

कार्यवृत्त

- विषयक्र : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.1 20 अप्रैल , 2023को चतुर्दशी पाठ्य समिति (BoS-14) की बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन |

कार्यविवरण-

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की हुई 20 अप्रैल , 2023को चतुर्दशी पाठ्य समिति(BoS-14) की बैठक के कार्यवृत्त का समिति ने अनुमोदन किया |

- विषयक्र : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.2 -शास्त्री पंचम सत्र के पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु |

कार्यविवरण -

समिति ने शास्त्री पंचम सत्र के पाठ्यक्रम का चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से अनुमोदन किया |

- विषयक्र : एस.के.टी./बी.ओ.एस. 15.3 - स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम SKT-344 का अनुमोदन |

कार्य विवरण -

स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम कूट SKT-344 के पाठ्यक्रम का चर्चा उपरांत अनुमोदन किया गया |

- विषयक्र : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.4 - स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम की सूची के श्रेयांक विभाग के संशोधन का अनुमोदन |

कार्यविवरण -

स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम की सूची का श्रेयांक विभाग का संशोधन किया गया था जिसे समिति द्वारा अनुमोदित किया गया |

- विषयक्र : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.5 - शास्त्री अध्ययन कार्यक्रम के चातुर्वार्षिक पाठ्यक्रम (संशोधित) के प्रारूप का संशोधन के संदर्भ में |

कार्य विवरण -




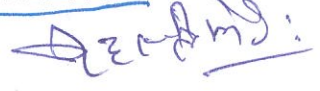
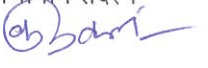

शास्त्री अध्ययन कार्यक्रम के चातुर्वार्षिक पाठ्यक्रम (संशोधित) के प्रारूप का संशोधन किया गया था जिसे समिति ने अनुमोदित किया |


- विषयक्र : एस.के.टी./बी.ओ.एस.15.6 - संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की 13.09.2023 को सम्पन्न हुई बैठक के कार्यवृत्त के अनुमोदन के संदर्भ में |

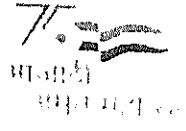
कार्यविवरण -

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दिनांक 13.09.2023 को सम्पन्न हुई थी जिसके कार्यवृत्त का समिति ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया |



1. प्रो. योगेन्द्रकुमार ,विभागाध्यक्ष, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, (अध्यक्ष एवं संयोजक, पाठ्यसमिति) 
2. प्रो. रोशनलालशर्मा , अधिष्ठाता, भाषासंकाय (सदस्य) 
3. प्रो. वीरेन्द्रकुमारविद्यालंकार, विभागाध्यक्ष, संस्कृतविभाग , पंजाबविश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (बाह्यविशेषज्ञ)-प्रतिभासीयमाध्यम से
4. प्रो. ब्रजेशपाण्डेय, संस्कृतभारतीयाध्ययनसंकाय, जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालय, कटवारियांसराय, नवदेहली
(बाह्यविशेषज्ञ)-प्रतिभासीयमाध्यम से
5. डॉ.एन.आर. गोपाल , सहाचार्य – आंग्लविभाग (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य) 
6. प्रो. ओ.एस.के. एस.शास्त्री, आचार्य –भौतिकीखगोलविज्ञानविभाग (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य) – प्रतिभासीयमाध्यम से
7. डॉ. बृहस्पतिमिश्र, सहाचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग (विभागीयसदस्य) वरिष्ठ सहाचार्य, विभागीय सदस्य 
8. डॉ. कुलदीप कुमार , सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग (विभागीय सदस्य),वरिष्ठ सहायक –आचार्य,विभागीय सदस्य 
9. डॉ. विवेकशर्मा , सहायक आचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग (विशेष आमन्त्रितसदस्य) 


विभागाध्यक्ष,
संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग



संस्कृतपालिप्राकृतविभागस्य पाठ्यसमितेः चतुर्दशोपवेशनस्य (BoS-14) कार्यवृत्तम्

संस्कृतपालिप्राकृतविभागस्य पाठ्यसमिते चतुर्दशोपवेशनम् (BoS-14) 28/04/2023तम दिनाङ्के गुरुवासे हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य धर्मशालास्थे धौलाधारपरिसर-1 इति स्थले अपराह्णे 02:00 वादन प्रतिभासीयमाध्यमेन प्रत्यक्षमाध्यमेन च समायोजितम् । उपवेशनस्य शुभारम्भे वैदिकमन्त्रमङ्गलाचरणेन पाठ्यसमिते अध्यक्षस्य संयोजकस्य च डॉ.बृहस्पतिमिश्रस्य औपचारिकस्वागतभाषणम् अभूत् । अत्र संस्कृतपालिप्राकृतविभागस्य पाठ्यसमिते सर्वे सम्मानितसदस्या उपस्थिता आसन् । तेषां नामानि इत्थं सन्ति-

1. डॉ. बृहस्पतिमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (अध्यक्ष, पाठ्यसमिति) ।
2. डॉ. वीरन्द्रकुमारविद्यालकार, आचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्कृतविभाग, पंजाबविश्वविद्यालय, चडडीगढ (ब्राह्मविशेषज्ञ) (प्रतिभासीयमाध्यमेन उपस्थित) ।
3. डॉ. ब्रजेशपाण्डेय, आचार्य, संस्कृतभारतीयअध्ययनसंकाय, जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालय, कुतियागिया परिसर, नवदेहली (ब्राह्मविशेषज्ञ) (प्रतिभासीयमाध्यमेन उपस्थित) ।
4. डॉ. एन. आर. गोपाल, महाचार्य, आग्निविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय, कुलपतिद्वारासामिते सदस्य ।
5. डॉ. एन. आर. गोपाल, अधिष्ठाता, भाषासंकाय, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (पदेन सदस्य) ।
6. डॉ. ओ.एस.क.एस.शर्मा, आचार्य, भौतिकीखगोलविज्ञानविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय, कुलपतिद्वारासामिते सदस्य ।
7. डॉ. योगेशकुमार, आचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (आचार्यपदेन विभागीयसदस्य) ।
8. डॉ. कुलदीप कुमार, सहायकाचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (विप्रे विभागीयसदस्य) ।

अत्र विभागाध्यक्षेण एषा कार्यसूची समुपस्थापिता

- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.1 - 22 मार्च 2023तम दिनाङ्के आयोजितस्य पाठ्यसमिते त्रयोदशोपवेशनस्य (BoS-13) कार्यवृत्तस्य अनुमोदनार्थम् ।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.2 - संस्कृत पालि एव प्राकृत विभाग इत्यस्य सामर्थ्यवर्धनस्य परिचर्चापूर्वकम् अनुमोदनार्थम् ।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.3 - शास्त्रप्रथमसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य नाम मूल्याङ्कनविभागादिमशासनस्य अनुमोदनार्थम् ।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.4 - शास्त्रद्वितीयसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य नाम मूल्याङ्कनविभागादिमशासनस्य अनुमोदनार्थम् ।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.5 - शास्त्रतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमस्य नाम मूल्याङ्कनविभागादिमशासनस्य अनुमोदनार्थम् ।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.6 - शास्त्रचतुर्थसत्रस्य SK1404, SK1419, SK1435 - SK1438 पाठ्यक्रमस्य नाम मूल्याङ्कनविभागादिमशासनस्य अनुमोदनार्थम् ।

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.7 -

स्नातकोत्तरप्रथमसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.8 -

स्नातकोत्तरद्वितीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.9 -

स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।

कोऽपि अतिरिक्तः विषयः अध्यक्षद्वारा अथवा अध्यक्षानुमत्या स्थापयितुं शक्यते यः सूचीपरिगणितः न भवति । अतः अध्यक्षेण सूच्यामपरिगणितत्वेऽपि एकः विषयः संस्थापितः । स च एवम् अस्ति -

➤ विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.10 - शोधोपाधिपाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादिसंशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।

अस्य उपवेशनस्य विषयक्रमानुसारेण कार्यवृत्तम् इत्थमस्ति-

विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.1

कार्यविवरणम्

22 मार्च 2023 तमे दिनाङ्के आयोजितस्य पाठ्यसमिते त्रयोदशोपवेशनस्य (BoS-13) कार्यवृत्तस्य अनुमोदनार्थम् । पाठ्यसमिते विभागीयसदस्येन सहायकाचार्येण डॉ. कुलदीपकुमार महोदयेन 22 मार्च 2023 तमे दिनाङ्के आयोजितस्य पाठ्यसमिते त्रयोदशोपवेशनस्य (BoS-13) कार्यवृत्तस्य अनुमोदनार्थम् तस्य उपस्थापनं कृतम् । गभीरविचारान्तरं समित्या सर्वसम्मत्या तस्य अनुमोदनं कृतम् । (सलगनक सं 1) पृष्ठ सं (11-18)

विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.2

कार्यविवरणम्

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग इत्यस्य नामपरिवर्तनस्य परिचर्चापूर्वकम् अनुमोदनार्थम् । संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग इत्यस्य नाम परिवर्तनं सम्पूर्तविभाग इति कर्तुं विभागाध्यक्षेण प्रस्तावः कृतः । तत्राक्तं यत् इदानीं विभागः संस्कृतभाषाया एव अध्ययनम् अध्यापनं च प्रचलति । आगामिनः कालेऽपि विभागे पालिप्राकृतभाषयो अध्ययनस्य व्यवस्थार्थं विश्वविद्यालयेन किमपि न विचार्यते । अतः नामश्रवणेन यः भ्रमः भवति तस्य परिहारार्थं नामपरिवर्तनमवश्यं कर्णीयमेव । विषयोऽयं परिचर्चापूर्वकम् अनुमोदनार्थं समिते समक्षं प्रस्तूयत इति । गभीरविचारान्तरं समित्या सर्वसम्मत्या अस्य अनुमोदनं कृतम् ।

विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.3 -

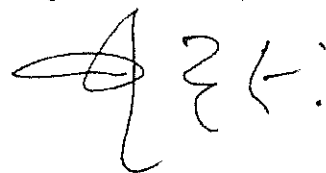
कार्यविवरणम्

शास्त्रिप्रथमसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कन विभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् । शास्त्रिप्रथमसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु कृतस्य नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य मिति सदस्यैः गहनविचारान्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम् । (सलगनक 2) पृष्ठ सं (19-42)

विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.4 -

कार्यविवरणम्

शास्त्रिद्वितीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् । शास्त्रिद्वितीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु कृतस्य नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य मिति सदस्यैः गहनविचारान्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम् । (सलगनक 3) पृष्ठ सं (43-63)



विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.5 -

कार्यविवरणम्

शास्त्रितृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागानि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।
शास्त्रितृतीयसत्रस्यपाठ्यक्रमेषु कृतस्य नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य समितिसदस्यै गहनविचारानन्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम्। (सलगनक 4) (पृष्ठ (64-90)

विषयक्र.:एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.6 -

कार्यविवरणम्

शास्त्रिचतुर्थसत्रस्य SKT404, SKT419, SKT435, SKT434 पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादिसंशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।
शास्त्रिचतुर्थसत्रस्य SKT404, SKT419, SKT435, SKT434 पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादिसंशोधनस्य समितिसदस्यै गहनविचारानन्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम्। (सलगनक स. 5) (पृष्ठ (79-100)

विषयक्र.:एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.7-

कार्यविवरणम्

स्नातकोत्तरप्रथमसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम्
स्नातकोत्तरप्रथमसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु कृतस्य नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य समितिसदस्यै गहनविचारानन्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम्। (सलगनक स. 6) (पृष्ठ (101-126)

विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.8 -

कार्यविवरणम्

स्नातकोत्तरद्वितीय सत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।
स्नातकोत्तरद्वितीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु कृतस्य नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य समितिसदस्यै गहनविचारानन्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम्। (सलगनक स 7) (पृष्ठ (127-141)

विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.9 -

कार्यविवरणम्

स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।
स्नातकोत्तरतृतीयसत्रस्य पाठ्यक्रमेषु कृतस्य नाम/मूल्याङ्कनविभागादि संशोधनस्य समितिसदस्यै गहनविचारानन्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम्। (सलगनक-8) (पृष्ठ (142-160)

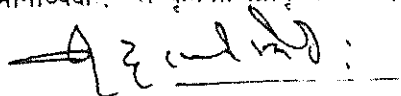
विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.10 -

कार्यविवरणम्

शोधोपाधिपाठ्यक्रमेषु नाम/मूल्याङ्कनविभागादिसंशोधनस्य अनुमोदनार्थम् ।
शोधोपाधिपाठ्यक्रमेषु कृतस्य नाम/मूल्याङ्कनविभागादिसंशोधनस्य समितिसदस्यै गहनविचारानन्तरं सर्वसम्मत्या अनुमोदनं कृतम् । (सलगनक 9) (पृष्ठ (161-182)

अन्ते अध्यक्षद्वारा बाह्यविषयविशेषज्ञानां कुलपतिद्वारा नामितसदस्यानां विभागीयसदस्यानां च आभार प्रकटितः । अनेन आभारप्रदर्शनेन साकमेव कल्याणशुक्रपुरम्पर मस्कृत-पालि-प्राकृतविभागस्य पाठ्यसमिते चतुर्दशम् उपवेशनं (BoS-14) संपन्नमभूत् ।

1. डॉ. बृहस्पतिमिश्र, विभागाध्यक्ष, मस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (अध्यक्ष, पाठ्यसमितिः)



2. डॉ. वीरेन्द्रकुमारविद्यालंकार, आचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्कृतविभाग, पंजाबविश्वविद्यालय, चडीगढ़ (बाह्यविशेषज्ञ) (प्रतिभासीयमाध्यमेन उपस्थित)
3. डॉ. ब्रजेशपाण्डेय, आचार्य, संस्कृतभारतीयाध्ययनसंकाय, जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालय, कटवारिया सगय, नवदेहली (बाह्यविशेषज्ञ) (प्रतिभासीयमाध्यमेन उपस्थित)
4. डॉ. एन. आर. गोपाल, सहाचार्य, आग्लविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य)
5. डॉ. एन. आर. गोपाल, अधिष्ठाता, भाषासंकाय, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (पदेन सदस्य)
6. डॉ. ओ.एस.के.एस.शास्त्री, आचार्य, भौतिकीखगोलविज्ञानविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य)
7. डॉ. योगेन्द्रकुमार, आचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (आचार्यपदेन विभागीयसदस्य)
8. डॉ. कुलदीप कुमार, सहायकाचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (वाग्म विभागीयसदस्य)

(Handwritten signature)

(Handwritten signature)
विभागाध्यक्ष
संस्कृतपालिप्राकृतविभाग

कार्यालयीय: हिन्दी-अनुवाद:

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की पाठ्य समिति के चतुर्दश उपवेशन (BoS-14) का कार्यवृत्त

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की पाठ्यसमिति का चतुर्दश उपवेशन (BoS-14) हिमाचलप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशालास्थित धौलाधारपरिसर-1 में 24.04.2023 को अपराह्न 02: बजे प्रतिभासीय (online) और प्रत्यक्ष (offline) माध्यम से हुई। गोष्ठी का आरम्भ वैदिक मङ्गलाचरण एवं पाठ्य समिति के अध्यक्ष एवं सयोजक डॉ. बृहस्पतिमिश्र के औपचारिक स्वागत-भाषण से हुआ।

पाठ्यसमिति के सम्मानित सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं :

1. डॉ. बृहस्पतिमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (अध्यक्ष, पाठ्यसमिति)
2. डॉ. वीरेन्द्रकुमारविद्यालंकार, आचार्य, विभागाध्यक्ष, संस्कृतविभाग, पंजाबविश्वविद्यालय, चडीगढ़ (बाह्यविशेषज्ञ) (प्रतिभासीयमाध्यमेन उपस्थित)
3. डॉ. ब्रजेशपाण्डेय, आचार्य, संस्कृतभारतीयाध्ययनसंकाय, जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालय, कटवारिया सगय, नवदेहली (बाह्यविशेषज्ञ) (प्रतिभासीयमाध्यमेन उपस्थित)
4. डॉ. एन. आर. गोपाल, सहाचार्य, आग्लविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य)
5. डॉ. एन. आर. गोपाल, अधिष्ठाता, भाषासंकाय, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (पदेन सदस्य)
6. डॉ. ओ.एस.के.एस.शास्त्री, आचार्य, भौतिकीखगोलविज्ञानविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य)
7. डॉ. योगेन्द्रकुमार, आचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (आचार्यपदेन विभागीयसदस्य)
8. डॉ. कुलदीप कुमार, सहायकाचार्य, संस्कृतपालिप्राकृतविभाग, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय (वाग्म विभागीयसदस्य)

इस बैठक में विभागाध्यक्ष ने अग्रलिखित कार्यसूची का उपस्थापन किया

- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.1 - 22 मार्च, 2023 को त्रयोदशी पाठ्य समिति (BoS-13) की बैठक के कार्यवृत्त के अनुमोदनार्थ।
- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.2 - संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग के नाम परिवर्तन हेतु चर्चा एवं अनुमोदनार्थ।

(Handwritten signature)

- विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस. 14.3 शास्त्री प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि व संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.4 शास्त्री द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि व संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.5 - शास्त्री तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि व संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.6 शास्त्री चतुर्थ सत्र के SK1404, SK1419, SK1435, SK1444 पाठ्यक्रमों के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.7 - स्नातकोत्तर प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि व संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.8- स्नातकोत्तर द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.9 - स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि व संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- कोई भी अतिरिक्त विषय अध्यक्ष द्वारा अथवा अध्यक्ष की अनुमति से स्थापित किया जा सकता है। अतः अध्यक्ष के द्वारा सूची में न होते हुए भी एक विषय स्थापित किया गया जो इस प्रकार है-
- विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.10 - शोधोपाधि के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ।

उक्त स्थापित विषयों का क्रमानुसार कार्यवृत्त इस प्रकार है -

- विषयक्र.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.1- 22 मार्च, 2023 को त्रयोदशी पाठ्य समिति (BoS-13) की बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन।
- कार्य विवरण संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की त्रयोदशी पाठ्य समिति (BOS-13) के कार्यवृत्त डॉ. कुलदीप कुमार, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गये। समिति के सदस्यों द्वारा विचार विमर्श करने के उपरान्त इसका अनुमोदन किया गया। (सलगनक -1)
- विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.2 - संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग के नाम परिवर्तन हेतु परिचर्चा एवं अनुमोदनार्थ।
- कार्य विवरण संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की पाठ्य समिति के सदस्यों ने संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग का नाम बदल कर संस्कृत विभाग रखने के लिए पाठ्य समिति के सभी सदस्यों ने सहमति दी और इसका अनुमोदन किया।
- विषयक:एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.3- शास्त्री प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ।
- कार्य विवरण शास्त्री प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि व प्रस्तावित संशोधन का पाठ्यसमिति के सदस्यों ने गहन विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया। (सलगनक-2)
- विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.4 - शास्त्री द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि के

कार्य विवरण

संशोधन के अनुमोदनार्थ।

शास्त्री द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन का पाठ्य समिति के सदस्यों ने गहन विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया। (संलग्नक-3)

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.5 -

कार्य विवरण

शास्त्री तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ।

शास्त्री तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन का पाठ्य समिति के सदस्यों ने गहन विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया। (संलग्नक-4)

विषयक.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.6 -

कार्य विवरण

शास्त्री चतुर्थ सत्र के SKT404, SKT419, SKT435, SKT434 पाठ्यक्रमों के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ

शास्त्री चतुर्थ सत्र के SKT404, SKT419, SKT435, SKT434 पाठ्यक्रमों के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन का पाठ्य समिति के सदस्यों ने गहन विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया। (संलग्नक-5)

विषयक:एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.7-

कार्य विवरण

स्नातकोत्तर प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ।

स्नातकोत्तर प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन का पाठ्य समिति के सदस्यों ने गहन विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया। (संलग्नक-6)

विषयक:एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.8-

कार्य विवरण

स्नातकोत्तर द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ

स्नातकोत्तर द्वितीयसत्र के पाठ्यक्रम के नाम/मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन का पाठ्यसमिति के सदस्यों ने विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया।(संलग्नक-7)

विषयक:एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.9 -

कार्य विवरण

स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ

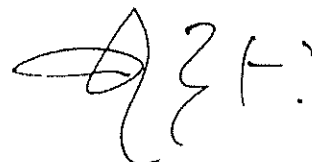
स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन का पाठ्य समिति के सदस्यों ने गहन विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया। (संलग्नक-8)

विषयक.: एस.के.टी./बी.ओ.एस.14.10

कार्य विवरण

शोधोपाधि के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन के अनुमोदनार्थ

शोधोपाधि के पाठ्यक्रम के नाम/ मूल्याङ्कनविभागादि के संशोधन का पाठ्य समिति के सदस्यों ने गहन विचार करने के उपरान्त अनुमोदन कर दिया। (संलग्नक-9)



अन्त में अध्याय के द्वारा वास्तु विभागीय कुलपति के द्वारा वास्तु विभाग में नए नियुक्त व्यक्तियों का वास्तु-
प्रकार किया गया। इस आदेश पर कार्यवाही करने के लिये वास्तु विभाग में नए नियुक्त व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।

श्री सुकृष्णप्रसाद विद्यागोपाल सांस्कृतिक विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।

श्री श्रीमदकुमारविद्यालयाय आचार्य विद्यागोपाल सांस्कृतिक विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।

श्री सुकृष्णप्रसाद आचार्य सांस्कृतिक विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।


श्री एम आर वास्तु आचार्य आचार्य विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।

श्री एम आर वास्तु अध्यापिका आचार्य विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।

श्री श्री एम आर वास्तु आचार्य श्रीमती सुमति देवी विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।

श्री एम आर वास्तु आचार्य सांस्कृतिक विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।

श्री कुलदीप कुमार आचार्य सांस्कृतिक विभाग, विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
वास्तु विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों का नाम निम्नलिखित है।


विभागीय अधिकारी
वास्तु विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, 176215, website: www.cuhimachal.ac.in

क्रमांक	कोर्सकोड	कोर्स नाम	क्रेडिट	कुल छात्रों की संख्या	पेपर तैयार करने से सम्बन्धित (बाहरी परीक्षकों द्वारा प्रयोगशाला, सेमिनार, फील्ड वर्क) (6)***
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)***
Department Courses- SHASTRI^{5th} Semester (24 श्रेयाङ्काः)					
9.	MAJOR 1	तद्धिता: (SECONDARY NOMINALS)	4		बाहरी परीक्षक
10.	MAJOR 2	काव्यशास्त्रम् (Poetics)	4		बाहरी परीक्षक
11.	MINOR 1 (वैकल्पिकः)	वेदः दर्शनञ्च (Veda & Philosophy)	4		बाहरी परीक्षक
12.	MINOR 1 (वैकल्पिकः)	ज्योतिषम् - 02 (Astrology - 02)	4		बाहरी परीक्षक
13.	MINOR 2/ INTER DISCIPLINARY	विकासस्य समाजशास्त्रम् (Sociology of Development)	2		आन्तरिक परीक्षक
14.	VOCATIONAL / SKILL	नीतिसाहित्यम् (Ethical Literature)	2		बाहरी परीक्षक
15.	SUBJECT INTERNSHIP/ INNOVATION	प्रशिक्षुता (Internship)	4		फील्ड वर्क
16.	COMMUNITY CONNECT	लोकविद्या (Lokvidya)	2		फील्ड वर्क
17.	Lab/ Field work	औषधीयप्रयोगशाला (Lab of Herbal Medicines)	2		प्रयोगशाला कार्य

सर्वोच्च-
Gh

पाठ्यक्रम कूटक्रमाङ्कः- SKT405

पाठ्यक्रमस्य शीर्षकम् - तद्धितः (SECONDARY NOMINALS)

श्रेयाङ्काः - 04 [एकम् क्रेडिट व्याख्यानम् - संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च १० होरासमानम्, प्रयोगशालायाः/व्यावहारिककार्यस्य/अनुशिक्षणस्य/शिक्षकनियन्त्रितगतिविधीनां ५ होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा स्वतन्त्रव्यक्तिगरकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य/वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा, पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठीपत्रलेखनादिम् १५ होरासमानं भवति]

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यानि - पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यं वर्तते व्याकरणस्य अध्ययनद्वारा संस्कृतभाषायाः शुद्धप्रयोगस्य सामर्थ्यसम्पादनपुरस्सरं संस्कृतवाङ्मयस्य गभीराध्ययने सौकर्यसम्पादनम्, तथा च संस्कृतव्याकरणसिद्धान्तानां रचनात्मकावबोधसम्पादनम् ।

उपस्थिते अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणाम् कक्ष्यासु उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतम ७५% उपस्थितिः न भवति चेत् छात्राणां परीक्षासु उपवेशस्य अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

मूल्याङ्कनस्य मापदण्डः - पूर्णाङ्काः - 200
माध्यमिकी परीक्षा - 20%
सत्रान्तपरीक्षा - 60%
सततम् आन्तरिकमूल्याङ्कनम् - 20%

पाठ्यक्रमः- SKT405 तद्धितः
(SECONDARY NOMINALS)

विषयान्तर्वस्तु

अन्वितिसंख्या	विषयः	होराविभागः
1.	अपत्याधिकारप्रकरणम् रक्ताद्यर्थप्रकरणम्	10
2.	शैषिकप्रकरणम् प्रागद्वीव्यतीयप्रकरणम्	10
3.	भावकर्मप्रकरणम् पाञ्चमिकप्रकरणम्	10
4.	मत्वर्थीयप्रकरणम् प्राग्दिशीयप्रकरणम्	08
5.	प्रागिवीयप्रकरणम् स्वार्थिकप्रकरणम्	02

व्याख्यानानां योजना -

व्याख्यानानां सङ्ख्या	व्याख्यानानां विषयाः	निर्धारितानि पुस्तकानि
1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,	अपत्याधिकारप्रकरणम्, रक्ताद्यर्थप्रकरणम्	1,2,3
11,12,13,14,15,16,17,18,19,20	शैषिकप्रकरणम्, प्रागद्वीव्यतीयप्रकरणम्	1,2,3
21,22,23,24,25,26,27, 28,29, 30	भावकर्मार्थप्रकरणम्, पाञ्चमिकप्रकरणम्	1,2,3

31, 32,33,34, 35,36,37,38	मत्वर्थीयप्रकरणम् प्राग्दिशीयकरणम्	1,2,3
39, 40	प्रागिवीयप्रकरणम्, स्वार्थिकप्रकरणम्	1,2,3

निर्धारितग्रन्थाः -

१. मध्यसिद्धान्तकौमुदी, सुबोधिनीव्याख्या, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी।

सन्दर्भग्रन्थाः -

1. मध्यसिद्धान्तकौमुदी, बालमनोरमा संस्कृतटीका भाषाटीकासहितम्, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या (भाग १-३) शास्त्री भीमसेन, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर नोटियाल, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दाचार्यः, चौखम्बासंस्कृतसंस्थान वाराणसी।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी, शास्त्री धरानन्दः, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोती लाल बनारसी दास, नई दिल्ली।

व्युत्पत्त्यः
 २०१८
 २०१८

काव्यशास्त्रम् (Poetics)

पाठ्यक्रमकूटक्रमाङ्कः- SKT420

पाठ्यक्रमस्य शीर्षकम् - काव्यशास्त्रम् (Poetics)

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यानि - पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यं छात्रेभ्यः अलङ्कारशास्त्रस्य बोधेन सहैव नूतनकाव्यसर्जनकौशलस्य विकाससम्पादनेन नाट्यशास्त्रीयसिद्धान्तानाञ्च परिचयप्रदानेन सहैव संस्कृतवाङ्मयस्य अत्यन्तं विस्तृतसाहित्यस्य परिचयप्रदानपूर्वकं अस्माकं काव्यशास्त्रीयपरम्पराणां विषये गभीराध्ययनाय विश्लेषणाय च अवसरप्रदानमस्ति ।

पाठ्यक्रमस्य प्रतिफलम् - पाठ्यक्रमस्य प्रतिफलं वर्तते काव्यशास्त्रस्य अध्ययनद्वारा संस्कृतशास्त्राणां सम्पूर्णज्ञानं प्राप्तुं समर्थाः भविष्यन्ति, संस्कृतवाङ्मयस्य गभीराध्ययने सौकर्यसम्पादनं भविष्यति, तथा च संस्कृतकाव्यसिद्धान्तानां रचनात्मकावबोधसम्पादनं भविष्यति ।

श्रेयाङ्काः - 04 [एकम् क्रेडिट व्याख्यानम् - संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च 10 होरासमानम्, प्रयोगशालायाः/व्यावहारिककार्यस्य/अनुशिक्षणस्य/शिक्षकनियन्त्रितगतिविधीनां 5 होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा स्वतन्त्रव्यक्तिगतकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य/वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा, पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठीपत्रलेखनादिम् 15 होरासमानं भवति]

उपस्थितेः अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणाम् कक्ष्यासु उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतम 75% उपस्थितिः न भवति चेत् छात्राणां परीक्षासु उपवेशनस्य अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

मूल्याङ्कनस्य विभागः	पूर्णाङ्काः - 200
माध्यमिकी परीक्षा	- 20%
सत्रान्तपरीक्षा	- 60%
सततम् आन्तरिकमूल्याङ्कनम्	- 20%

SKT420 -- काव्यशास्त्रम् (Poetics)

❖ विषयान्तर्वस्तु

अन्वितिसंख्या	विषयः	होराविभागः
१	काव्यशास्त्रपरिचयः (साहित्यदर्पणग्रन्थः) ☞ ग्रन्थपरिचयः, ग्रन्थकर्तृपरिचयः च ☞ ग्रन्थस्य मङ्गलाचरणम्, काव्यस्य प्रयोजनानि च ☞ काव्यस्वरूपम् ☞ काव्यदोषाः, काव्योत्कर्षहेतवः	(६) १ १ २ २
२	दृश्य-श्रव्यकाव्यलक्षणानि (षष्ठः परिच्छेदः) ☞ दृश्य-श्रव्यकाव्यभेदाः, रूपकं तद्भेदाश्च, नाटकलक्षणानि ☞ अर्थोपक्षेपकाः	(१८) २
४	प्रकरणादिरूपकोपरूपकाणां महाकाव्यादीनां च लक्षणानि ☞ प्रकरणादीनाम् अवशिष्टानां रूपकाणां लक्षणानि ☞ उपरूपकाणां लक्षणानि ☞ महाकाव्य-खण्डकाव्य-कोष-लक्षणानि ☞ गद्य-कथा-आख्यायिका-चम्पू-काव्यादिलक्षणानि	(१६) ४ ४ ४ ४

सन्दर्भग्रन्थाः -

1. साहित्यदर्पण (विश्वनाथकृत) व्याख्याकारः - निरूपणविद्यालंकार, साहित्यभण्डार, मेरठ, २००४
2. साहित्यदर्पण, सुबोधिनी हिन्दी व्याख्या सहितम्, डा. माधवजनार्दनरटाटे, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
3. साहित्यदर्पण, व्याख्याकारः - सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९८८
4. साहित्यदर्पण, व्याख्याकारः - शालिग्रामशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००४
5. काव्यदीपिका, व्याख्याकारः- कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. संस्कृतसाहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभागीयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर.
7. भारतीय तथा पाश्चात्य रङ्गमञ्च, सीताराम चतुर्वेदी, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, १९६४
8. भारतीयसाहित्य की रूपरेखा, डा. भोलाशङ्करव्यास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. साहित्यदर्पण (विश्वनाथकृत) व्याख्याकारः -आचार्यशेषकृष्णरेग्मी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

व्याख्यानयोजना -

व्याख्यानसंख्या	व्याख्यानविषयः	निर्धारितग्रन्थाः
१-६	<ul style="list-style-type: none">☞ ग्रन्थपरिचयः, ग्रन्थकर्तृपरिचयः च☞ ग्रन्थस्य मङ्गलाचरणम्, काव्यस्य प्रयोजनानि च☞ काव्यस्वरूपम्, काव्यदोषाः, काव्योत्कर्षहेतवः	1, 2, 9
७-१८	दृश्य-श्रव्यकाव्यभेदाः, रूपकं तद्भेदाश्च, नाटकलक्षणानि, अर्थोपक्षेपकाः	1, 2, 9
१९-४०	<ul style="list-style-type: none">☞ प्रकरणादीनाम् अवशिष्टानां रूपकाणां लक्षणानि☞ उपरूपकाणां लक्षणानि☞ महाकाव्य-खण्डकाव्य-कोष-लक्षणानि☞ गद्य-कथा-आख्यायिका-चम्पू-काव्यादिलक्षणानि	1, 2, 9

सजित

वेदः दर्शनञ्च (Veda & Philosophy)

पाठ्यक्रमस्य कूटक्रमाङ्कः – SKT 436

क्रेडिट – 4

पाठ्यक्रमशीर्षकम् - वेदः दर्शनञ्च (Veda & Philosophy)

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यानि - वेददर्शनयोः अन्तर्गतं सूक्ताध्ययनेन प्राचीनभारतीयचिन्तनेन सह परिचयः,

लौकिकवैदिकवाचोः भेदः, सांख्यकारिकायाः अध्ययनेन च सांख्यमतस्य ज्ञानं भविता ।

पाठ्यक्रमस्य प्रतिफलम् - वेददर्शनयोः अन्तर्गतं सूक्ताध्ययनेन प्राचीनभारतीयचिन्तनेन सह परिचयः पर्यावरणं प्रति

जागरूकता पर्यावरणविषये आर्षचिन्तनपरिचयः भविष्यति सूक्तभाषया लौकिकवैदिकवाचोः भेदः ज्ञास्यते ।

सांख्यकारिकायाः अध्ययनेन सांख्यमतस्य ज्ञानं भविष्यति । प्राचीनभारतीयदार्शनिकज्ञानपरम्परायाः परिचयो भविष्यति ।

क्रेडिट :04 [एकम् क्रेडिट व्याख्यानम् – संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च 10 होरासमानम्,

प्रयोगशालायाः/व्यावहारिककार्यस्य/अनुशिक्षणस्य/शिक्षकनियन्त्रितगतिविधीनां 5 होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा

स्वतन्त्रव्यक्तिगतकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य/वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा,

पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठीपत्रलेखनादि 15 होरासमानं भवति ।

उपस्थितेः अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणां कक्ष्यासु

उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतमं 75% उपस्थितिः न भवति चेत् छात्राणां परीक्षासु उपवेशनस्य

अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

मूल्याङ्कनस्य मापदण्डः –

मूल्याङ्कनस्य विभागः (पूर्णाङ्काः - 200)

(क) माध्यमिकी परीक्षा – 20%

(ख) सत्रान्तपरीक्षा – 60%

(ग) सततम् आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – 20%

पाठ्यक्रमशीर्षकम् - निरुक्तम् ।

SKT436

क्रेडिट – 4

(सैद्धान्तिकम् 60% प्रायोगिकम् 40%)

अन्वितिसंख्या

विषयः

अङ्काः

- | | | |
|------|---|-----|
| (क.) | अग्निसूक्तम् (ऋग्वेदः 1.1), शान्त्याध्यायः (यजुर्वेदः- 36 अध्यायः, माध्यन्दिनीयासंहिता), पृथिवीसूक्तस्य आरम्भिक-पञ्चदश-मन्त्राः (अथर्ववेदः 12.1 शौनकसंहिता) | 60% |
| (ख.) | सांख्यकारिकायाः प्रथम-त्रयोदशकारिकाः (1-13) | 40% |

निर्धारितग्रन्थाः-

1. सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्णप्रणीता, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।
2. ऋक्सूक्त संग्रहः – (अग्निसूक्तम्) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।
3. सूक्तरत्नसंग्रहः - (शान्त्याध्यायः, पृथिवीसूक्तम्) - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

सहायकग्रन्थाः

ऋग्वेदः - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

यजुर्वेदः - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

अथर्ववेदः - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

पृष्ठम् 1 / 2



व्याख्यानयोजना -

व्याख्यानसंख्या	व्याख्यानविषयः	निर्धारितपुस्तकानि
1-15	सांख्यकारिकायाः त्रयोदशकारिकाः	1
16-20	अग्निसूक्तम्	2
21-32	शान्त्यध्यायः (यजुर्वेदः)	3
33-70	पृथिवीसूक्तम् (अथर्ववेदः)	3



ज्योतिषम् – 2 (Astrology - 02)

पाठ्यक्रमकूटक्रमाङ्कः –SKT437

पाठ्यक्रमस्य शीर्षकम् – ज्योतिषम् – 2 (Astrology - 02)

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यानि – छात्राः ज्योतिषस्य विशिष्टसिद्धान्तैः परिचिताः भविष्यन्ति । अत्र अरिष्टानां तद्भङ्गानाञ्च परिचयं प्रदाय मुहूर्तानामपि सामान्यपरिचयः प्रदास्यते ।

पाठ्यक्रमस्य प्रतिफलानि -

1. सारावलीदिशा जातकानामरिष्टपरिज्ञानम् ।
2. अरिष्टविचारे तद्भङ्गज्ञानस्य आवश्यकतावगमः ।
3. मुहूर्तचिन्तामणिदिशा नक्षत्रादिबोधनपूर्वकं मुहूर्तानां सामान्यबोधः ।

श्रेयाङ्काः - 04 [एकश्रेयाङ्कव्याख्यानम् – संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च 10 होरासमानम्, परियोजनायाः / व्यावहारिककार्यस्य / अनुशिक्षणस्य / शिक्षकनियन्त्रितगतिविधीनां 5 होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा स्वतन्त्रव्यक्तिगतकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य/वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा, पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठीपत्रलेखनादिकम् 15 होरासमानं भवति]

उपस्थितेः अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणां कक्ष्यासु उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतम 75% उपस्थितिः न भवति चेत् छात्राणां परीक्षासु उपवेशनस्य अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

पूर्णाङ्काः - 200

मूल्याङ्कनस्य मापदण्डः -

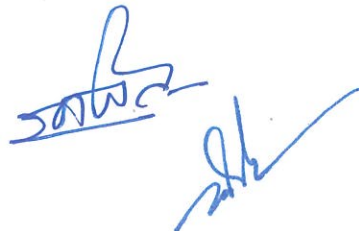
माध्यमिकी परीक्षा- 20%

सत्रान्तपरीक्षा- 60%

सततम् आन्तरिकमूल्याङ्कनम् - 20%

ज्योतिषम् – 2 (Astrology - 02)

विषयान्तर्वस्तु





अन्वितिसंख्या

विषयः

होराविभागः

१. अरिष्टविचारः (१५)
अरिष्टविचारः आयुर्ज्ञानस्य अङ्गम्,
योगजमरिष्टम्
२. अरिष्टभङ्गविमर्शः (०५)
३. मुहूर्ते शुभाशुभविचारः (१०)
४. मुहूर्ते नक्षत्रादिविचारः (१०)

नक्षत्राणां स्थिरादिसंज्ञा, अन्धाक्षादिसंज्ञा च, भैषज्यसेवनमुहूर्तः, ताराबलविचारः, सर्वारम्भे सामान्यतो लग्नशुद्धिः, नृपेक्षणादौ बलविचारः, संधार्यरत्नादिविचारः, दिवामुहूर्ताः, रात्रिमुहूर्ताः

निर्धारितग्रन्थौ-

1. सारावली, श्रीमत्कल्याणवर्मविरचिता, कान्तिमतीहिन्दीव्याख्यासहिता, व्याख्याकारः डा. मुरलीधर चतुर्वेदी,
मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. मुहूर्तचिन्तामणिः, श्रीमद्रामदैवज्ञविरचितः, पीयूषधाराख्यव्याख्यया समलङ्कृतः,
हिन्दीव्याख्याकार श्रीविन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बासुरभारतीप्रकाशन, वाराणसी

सन्दर्भग्रन्थः-

लघु-जातकम्, दैवज्ञवराहमिहिरविरचितम्, हिन्दीव्याख्याकारः डॉ. कमलाकान्तपाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास

व्याख्यानयोजना

व्याख्यानसंख्या	व्याख्यानविषयः	निर्धारितपुस्तकानि
1-15	अरिष्टविचारः, अरिष्टविचारः आयुर्ज्ञानस्य अङ्गम्, योगजमरिष्टम्	सारावली
16-20	अरिष्टभङ्गविमर्शः	सारावली





21-30	मुहूर्ते शुभाशुभविचारः	मुहूर्तचिन्तामणिः
31-40	नक्षत्राणां स्थिरादिसंज्ञा, अन्धाक्षादिसंज्ञा च, भैषज्यसेवनमुहूर्तः, ताराबलविचारः, सर्वारम्भे सामान्यतो लग्नशुद्धिः, नृपेक्षणादौ बलविचारः, संधार्यरत्नादिविचारः, दिवामुहूर्ताः, रात्रिमुहूर्ताः	मुहूर्तचिन्तामणिः

क. ब. द. व.

र. व. व.

र. व. व.

विषय- विकासस्य समाजशास्त्रम् (Sociology of Development)

SOC – 432

पाठ्यक्रमः (Course Content)

श्रेयाङ्काः –02 (एकश्रेयांकव्याख्यानम् – संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च १० होरासमानम्, प्रयोगशालायाः/ व्यावहारिककार्यस्य/ अनुशिक्षणस्य/ शिक्षकनियन्त्रितगतिविधीनां ५ होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा स्वतन्त्रव्यक्तिगतकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य /वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा, पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठिपत्रलेखनादिम् १५ होरासमानं भवति)

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यम् – पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यं वर्तते यत् भारतीयसमाजविषये सम्पूर्णपरिचयः, भारतीयसमाजे विकासः । भारतीयसमाजे भिन्नभिन्नविकासस्य सम्पूर्णपरिचयः। विकासेन उत्पन्नसमस्यानां, समाधानस्य च वर्णनम् ।

उपस्थिते अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणाम् कक्ष्यासु उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतम ७५ उपस्थितिः न भवति % चेत् छात्राणां परीक्षासु उपवेशस्य अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

मूल्याङ्कनस्य विभागः –

(पूर्णाङ्काः - 100)

माध्यमिकी परीक्षा – 20%

सत्रान्तपरीक्षा – 60%

सततम् आन्तरिकमूल्याङ्कनम् –20%

विकासस्य समाजशास्त्रम् (Sociology of Development)

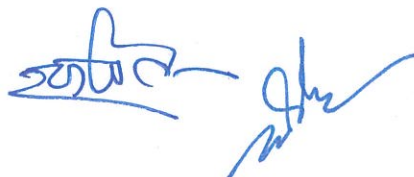
विभाग – क (विकासस्य परिभाषा, अवधारणा, विभिन्नक्षेत्राणि)

१. विकासस्य समाजशास्त्रस्य परिभाषा
२. विकासस्य समाजशास्त्रस्य विषयक्षेत्रम्- संरचना विकासश्च, संस्कृतिः विकासश्च, उद्यमिता विकासश्च
३. विकासस्य सामाजिकसंकेतकः
४. विकासस्य सांस्कृतिकसंकेतकः
५. प्राकृतिकसंसाधनानां क्षयः- वायुप्रदूषणं, जलहासः, निर्वनीकरणम्

विभाग – ख (विकासस्य विभिन्नमार्गाः)

१. पुञ्जवादमार्गः, समाजवादमार्गः, मिश्रितमार्गः
२. राष्ट्रं विकासश्च
३. राजनीतिः विकासश्च
४. आपणं विकासश्च

अमरशिक्षाः



विभाग – ग (औद्योगिकी उद्यमिता)

१. उद्यमितायाः परिभाषा
२. भारते उद्यमिता विकासश्च
३. भारते औद्योगिकीकरणम्

विभाग- घ (संरचना, संस्कृतिः विकासश्च)

१. समुदायः विकासश्च
२. आभिजात्यव्यवस्था
३. लिङ्गभेदः विकासश्च
४. महिलानाम् उद्यमिता
५. विकासेन परम्परायाः विस्थापनम्

विभाग – ड (नगरीकरणं आर्थिकविकासश्च)

१. नगरीकरणस्य जनसांख्यिकी अवधारणा
२. नगरीकरणस्य आर्थिकी अवधारणा
३. नगरीकरणस्य सामाजिकी सांस्कृतिकी अवधारणा
४. नगरीकरणं आधुनिकीकरणञ्च
५. नगरीकरणं आर्थिकविकासश्च

सन्दर्भग्रन्थसूची

१. शिवबहाल सिंह, विकास का समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स , जयपुर, पुनःप्रकाश २०१८
२. श्यामाचरण दुबे, विकास का समाजशास्त्र, लिटल बुक्स वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2012

व्याख्यानयोजना

व्याख्यानसंख्या	व्याख्यानविषयः	निर्धारितपुस्तकानि
१	विकासस्य समाजशास्त्रस्य परिभाषा	१
२-४	विकासस्य समाजशास्त्रस्य विषयक्षेत्रम्- संरचना विकासश्च, संस्कृतिः विकासश्च, उद्यमिता विकासश्च	१
५-६	विकासस्य सामाजिकसंकेतकः विकासस्य सांस्कृतिकसंकेतकः	१
७	प्राकृतिकसंसाधनानां क्षयः- वायुप्रदूषणं, जलहासः, निर्वनीकरणम्	१
८-९	पुञ्जवादमार्गः, समाजवादमार्गः, मिश्रितमार्गः	१
१०	राष्ट्रं विकासश्च, राजनीतिः विकासश्च, आपणं विकासश्च	१
११-१२	उद्यमितायाः परिभाषा, भारते उद्यमिता विकासश्च, भारते औद्योगिकीकरणम्	१

शुभहरिवाम

सर्वज्ञ

१३-१४	समुदाय: विकासश्च, आभिजात्य व्यवस्था, लिङ्गभेद: विकासश्च	१
१५-१६	महिलानां उद्यमिता, विकासेन परम्पराया: विस्थापनम्	१
१७	नगरीकरणस्य जनसांख्यिकी अवधारणा, नगरीकरणस्य आर्थिकी अवधारणा	१
१८-१९	नगरीकरणस्य सामाजिकी सांस्कृतिकी अवधारणा	१
२०	नगरीकरणं आधुनिकीकरणञ्च, नगरीकरणं आर्थिकविकासश्च	१

शहरविकासः

उद्यमिता

(Handwritten signature)

सं. 15'2

पाठ्यक्रमस्य नाम - नीतिसाहित्यम् (Ethical Literature)

पाठ्यक्रमस्य कूटक्रमाङ्कः -SKT 464

क्रेडिट - 2

पाठ्यक्रमस्य नाम - - नीतिसाहित्यम् (Ethical Literature)

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यानि - संस्कृतसाहित्ये महाकविभर्तृहरिणा विरचितेन नीतिशतकेन बालेषु नैतिकतायाः आधानं भविता । नीतिग्रन्थानां परिचयोपि भविष्यति ।

प्रतिफलम् - महाकविभर्तृहरिणा विरचितेन नीतिशतकेन बालेषु नैतिकतायाः नीति वाक्यानां च आधानं भवति । नीतिग्रन्थानां परिचयोपि भवति । नीतिश्लोकानां स्मरणानन्तरं प्रतियोगिपरीक्षासु व्यक्तिगते च जीवने लाभः भवति ।

क्रेडिट : 02 [एकम् क्रेडिट व्याख्यानम् - संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च 10 होरासमानम्, प्रयोगशालायाः/ व्यावहारिककार्यस्य/ अनुशिक्षणस्य/ शिक्षकनियन्त्रित गतिविधीनां 5 होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा स्वतन्त्रव्यक्तिगरकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य/ वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा, पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठीपत्रलेखनादिम् 15 होरासमानं भवति]

उपस्थितेः अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणाम् कक्ष्यासु उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतम 75% उपस्थितिः न भवति चेत् छात्राणां परीक्षासु उपवेशनस्य अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

मूल्याङ्कनस्य मापदण्डः -

मूल्याङ्कनस्य विभागः (पूर्णाङ्काः - 100)

(क) माध्यमिकी परीक्षा - 20%

(ख) सत्रान्तपरीक्षा - 60%

(ग) सततम् आन्तरिकमूल्याङ्कनम् - 20%

पाठ्यक्रमस्य नाम - नीतिसाहित्यम् (Ethical Literature)

सैद्धान्तिकम् 80 %

प्रायोगिकम् 20%

पृष्ठम् 1/2

अन्वितिसंख्या विषयः

नीतिशतकम्

- (क) अथ मूर्खपद्धतिः - श्लोकसंख्या 1 तः 11 यावत् ।
- (ख) अथ विद्वत्पद्धतिः - श्लोकसंख्या 12 तः 21 यावत् ।
- (ग) अथ मानशौर्यपद्धतिः - श्लोकसंख्या 22 तः 31 यावत् ।
- (घ) अथ अर्थपद्धतिः - श्लोकसंख्या 32 तः 41 यावत् ।
- (ङ) अथ दुर्जनपद्धतिः - श्लोकसंख्या 42 तः 51 यावत् ।

निर्धारितग्रन्थाः-

1. नीतिशतकम् – डा. किरन देवी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
2. नीतिशतकम् – डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. नीतिशतकम् – डा. सोहनलाल पाण्डेय, श्याम प्रकाशन, जयपुर ।

क. व्याख्यानयोजना –

व्याख्यानसंख्या	व्याख्यानविषयः	निर्धारितपुस्तकानि
	नीतिशतकम्	
1-5	अथ मूर्खपद्धतिः	1
6-10	अथ विद्वत्पद्धतिः	1
11-15	अथ मानशौर्यपद्धतिः	1
16-20	अथ अर्थपद्धतिः	1
21-25	अथ दुर्जनपद्धतिः	1



पृष्ठम् 2/2





संस्कृत-पालि-प्राकृत-विभागः
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालयः, धर्मशाला

शास्त्रिपञ्चमसत्रम्

पाठ्यक्रमकूटक्रमाङ्कः- SKT451 पाठ्यक्रमस्य शीर्षकम्-

प्रशिक्षुताश्रेयाङ्काः 04

पाठ्यक्रमकूटक्रमाङ्कः -SKT451

पाठ्यक्रमस्य शीर्षकम्-प्रशिक्षुता

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यम्-उद्देश्यमस्ति कस्मिंश्चिदपि जीवनक्षेत्रे कार्यानुभवस्य समर्जनं प्राप्तानुभवस्य च परीक्षणं येन तस्मिन् क्षेत्रे प्रशिक्षोः आत्मविश्वासः वर्धेत।

पाठ्यक्रमस्य प्रतिफलम्-

1. व्यावहारिकस्य ज्ञानस्य सम्पादनम्।
2. अतिरिक्त कार्यानुभवस्य सम्पादनम्।
3. अध्ययनेन सह विविधकौशलानां विकासः।

मूल्याङ्कनस्य मापदण्डः-

30 होरायाः प्रशिक्षणं। 10होरायाः च परीक्षणं भविष्यति।

*अधोलिखिताषु संस्थाषु कार्यकरणस्य अनुभवं संपाद्य प्रमाणपत्रं प्राप्तव्यम्। प्राप्तस्य प्रमाणपत्रस्य विभागे समर्पणम्। समर्पणानन्तरं विभागे आन्तरिकं परीक्षणं भविष्यति। तत्र प्राप्तस्य प्रशिक्षुताप्रमाणपत्रस्य षष्टिप्रतिशतं समर्पितप्रमाणपत्रानुसारं प्राप्तानुभवस्य च आन्तरिकपरीक्षणस्य चत्वारिंशत्प्रतिशतं योगदानं भविष्यति।

- मन्दिरम्(चामुण्डा मन्दिरम्, बगलामुखी मन्दिरम्, ज्वाला जी मन्दिरम्, अघञ्जर महादेव मन्दिरम्, चिन्तपूर्णी मन्दिरम्, नैनादेवी सदृश मन्दिरेषु कर्मकाण्डस्य/पूजापद्धतेः व्यावहारिकं ज्ञानं प्राप्य प्रशिक्षुस्तस्य प्रमाणपत्रं विभागे प्रदास्यति तदनन्तरं विभागे मूल्याङ्कनं भविष्यति।)

(Signature)
(Signature)

संस्कृत-पालि-प्राकृत-विभागः

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालयः, धर्मशाला

- **पत्रकारिता-क्षेत्रम्** (हिमसंस्कृतवार्ता, दिव्यहिमाचलम्, अमरउजाला, दैनिकजागरणसदृश संस्थासु समाचारलेखनस्य/समाचारटंकणस्य/अशुद्धिसंशोधनस्य/प्रबन्धनकार्यस्य व्यावहारिकं ज्ञानं प्राप्य प्रशिक्षुस्तस्य प्रमाणपत्रं विभागे प्रदास्यति तदनन्तरं विभागे मूल्याङ्कनं भविष्यति।)
 - **संवादशाला** (संस्कृतभारतीसदृशभाषाशिक्षणदक्षताप्रदातृसंस्थाभिः व्यावहारिक-प्रशिक्षणानन्तरं विद्यार्थिनां मूल्याङ्कनं भविष्यति।)
 - **योगक्षेत्रम्** (योगभारती, हिमाचलम्, विवेकानन्दकेन्द्र, शिमला सदृश संस्थाभिः योगस्य व्यावहारिक-प्रशिक्षणानन्तरं विद्यार्थिनां मूल्याङ्कनं भविष्यति।)
- *संस्थायाः निर्धारणं विभागः करिष्यति।

Dr. Bani

S. S. S.

S. S. S.

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

विभाग.

पाठ्यक्रम कूट संकेत - SKT497

पाठ्यक्रम शीर्षक - लोक विद्या

पाठ्यक्रम शिक्षक -

श्रेय तुल्यमान: 2 क्रेडिट

एक क्रेडिट के अन्तर्गत व्याख्यान, संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य, ट्यूटोरियल, शिक्षक नियंत्रित गतिविधियाँ / कार्य के 5 घंटे, और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य, सामूहिक कार्य, निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य, पुस्तकालय कार्य, तथ्य संग्रह, प्रोजेक्ट कार्य, सेमिनार, प्रबंध लेखन, इत्यादि के 15 घंटे माने जायेंगे। सम्बंधित विभाग विद्यार्थियों को गाँव क्षेत्र में जाने के लिए वाहन, बैनर, जलपान इत्यादि के लिए उचित सहयोग राशि भी उपलब्ध करवाएगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

- छात्रों को लोक विद्या का परिचय देना तथा विभिन्न ज्ञान अनुशासनों में लोक विद्या की प्रक्रिया का विकास करना
- छात्रों में सृजनधर्मिता उत्पन्न करना
- भारतीय परिदृश्य में लोक विद्या के माध्यम से कौशल विकास करना
- यह पाठ्यक्रम लोक जीवन से जुड़ा हुआ है जिससे स्नातक के छात्रों को नई दिशा मिलेगी।

पाठ्यक्रम परिणाम

- लोक विद्या पाठ्यक्रम द्वारा छात्रों के स्वयं का आत्मनिर्माण और कौशल विकास होगा।
- परंपरागत लोक कलाओं से जुड़कर स्वानुभूति, रागात्मकता आदि से निर्दिष्ट अंतर्दृष्टि प्राप्त होगी।
- इस पाठ्यक्रम द्वारा छात्र लोक विद्या की समझ अर्जित कर वर्तमान स्थिति में परिवर्तन के संवाहक होंगे।

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है। न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है।

मूल्यांकन मापदंड:

- क. मध्यावधि परीक्षा सैद्धांतिक ज्ञान (Theory based) - 20 %
- ख. सत्रांत परीक्षा परियोजना कार्य होगा - 60 %
- ग. सतत आंतरिक मूल्यांकन (असाइनमेंट)- एकक (इकाई) - 3 से - 20%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

50/10-

विभाग

पाठ्यक्रम शीर्षक - लोक विद्या

पाठ्यक्रम कूट संकेत - SKT497

श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1. लोक विद्या की अवधारणा

- 1) लोक विद्या : सामान्य परिचय
- 2) लोक विद्या: प्रासंगिकता एवं उपादेयता
- 3) लोक विद्या को जानने की विधियां (साक्षात्कार विधि, प्रयोग विधि आदि)

इकाई-2. लोक विद्या: पारंपरिक कलाएँ

- 1) काष्ठ शिल्पी एवं पत्थर शिल्पी- नाहस, कड़ियाँ, स्तंभ (थम) आदि, पत्थर की ईंट, पनचक्की आदि
- 2) हस्त कलाएँ- चित्रकला, बांस की वस्तुएं, धातु औजार एवं बर्तन, आभूषण, बुनाई, मिट्टी के बर्तन, बढईगिरी आदि।
- 3) काँगड़ी, चंबियाली, मंडियाली धाम (सामग्री एवं विधि); क्षेत्रीय खाद्य: पतरोड़, चुख, पिंदड़ी, जरीस आदि।

इकाई-3. चित्रकारों/ कारीगरों से साक्षात्कार

- 1) साक्षात्कार- काँगड़ा पेंटिंग की निर्माण प्रक्रिया
- 2) साक्षात्कार- चंबा रुमाल की निर्माण प्रक्रिया
- 3) साक्षात्कार- कुम्हार, बुनकर, रसोइया, लोहार, सुनार, शिल्पकार, चर्मकार एवं मिस्त्री

(किसी एक चित्रकार/कारिगर से साक्षात्कार)

इकाई-4. परियोजना की कार्य योजना एवं क्रियान्वयन (विधि एवं सामग्री)

टोकरी छड़, किल्ट, झोला (बैग), अनाज तथा रोटी रखने का पात्र आदि। लोहे के औजार-कुल्हाड़ी, दराती आदि। मिट्टी के बर्तन-घड़ा, सुराही आदि। भेड़ों की ऊन से बने वस्त्र आदि। चरखा, खड्डी, तकली, बुनाई-जुराबें दस्ताने, आदि। इसके अतिरिक्त कढ़ाई, दस्तकारी, क्षेत्रीय आभूषण, क्षेत्रीय वेशभूषा, रुमाल, रस्सी बनाना, पतल-इने, पर्णकुटी, मिट्टी की दीवार, चित्रकारी, चर्मकारी, काँगड़ा पेंटिंग, क्षेत्रीय खाद्य तथा लोकवाद्य बजाने वाले आदि।

(उपरोक्त के आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरण आदि लाभ)

इकाई-5. परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट)

(इकाई-4 में लिखित किसी भी विषय पर प्रोजेक्ट तैयार करना है।)

आधार ग्रन्थ :

- 1 चंबा-अचंभा, डी. एस. देवल, देवल साहित्य एवं शोध केंद्र, भँजराइ, तीसा
- 2 गद्दी भरमौर की लोक संस्कृति एवं कलाएँ, अमर सिंह, रणपतिया, हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी, शिमला
- 3 पांगी भरमौर, संपादक - डॉ. तुलसी रमण, हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी, शिमला
- 4 हिमाचल प्रदेश पर्यटन संपदा और सांस्कृतिक अस्मिता, डॉ. कमला कौशिक, अभिनव प्रकाशन, नई दिल्ली
- 5 अनुपम हिमाचल, संपादक सुशील कुमार फुल्ल, साहित्य भारती, दिल्ली-110051
- 6 हिमाचल की लोक कलाएँ और आस्थाएँ, मौलूराम ठाकुर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली, भारत
- 7 हिमाचल प्रदेश: लोक -संस्कृति और साहित्य, गौतम शर्मा 'व्यथित' राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली, भारत
- 8 Himachal Pradesh, B. R. Sharma, Ministry of Information & Broadcasting Government of India.

(औषधीयप्रयोगशाला – (Lab of Herbal Medicines))

विषय – औषधीयप्रयोगशाला

Credit - 02

SKT - 479

पाठ्यक्रमः (Course Content)

श्रेयाङ्काः - 02 [एकश्रेयाङ्कव्याख्यानम् - संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च १० होरासमानम्, प्रयोगशालायाः/व्यावहारिककार्यस्य/अनुशिक्षणस्य/शिक्षकनियन्त्रितगतिविधीनां ५ होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा स्वतन्त्रव्यक्तिगतकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य/वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा, पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठीपत्रलेखनादिकम् १५ होरासमानं भवति]

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यम् - छात्रेभ्यः औषधीनां वास्तविकज्ञानप्रदानम् । औषधीनां निर्माणस्य ज्ञानप्रदानम् ।

पाठ्यक्रम-प्रतिफलानि

अस्मिन् पाठ्यक्रमे साफल्यधिगमात् परं छात्राः-

1. औषधीनां निपुणतरम् उपयोगं कर्तुं प्रभविष्यन्ति।
2. औषधीयपुस्तकानां विषयविशेषमधिकृत्य पठनीयतां निर्णेतुं समधिकं निपुणा भविष्यन्ति।
3. विविध-औषधीनां विषये अध्ययनेन समधिकं तुलनाकौशलमर्जयिष्यन्ति।
4. मानवस्य आयुर्वैदिक-बोधयात्रायाः गभीरतां सूक्ष्मतां विस्तारं च ज्ञातुं प्रभविष्यन्ति।
5. प्रायोगितसर्वेक्षणे समधिकं रुचिमन्तो भविष्यन्ति।

उपस्थितेः अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणाम् कक्ष्यासु उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतम ७५% उपस्थितिः न भवति चेत् छात्राणां परीक्ष्यासु उपवेशस्य अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

पूर्णांक - 100



मूल्याङ्कनस्य मापदण्डः -

(क) प्रायोगिक-सञ्चिका	-	40 %
(ख) वाक्परीक्षा	-	30 %
(ग) औषद्धदर्शनप्रस्तुतिः	-	30 %

संस्कृतवाङ्मये नैतिकमूल्यानि

१. औषधीयमहत्त्वप्रदानम् -

क्र. सं.	वृक्षाः		
01.	आमलकम्	आँवला	Anavala
02.	कचनारः	कराल	
03.	अंजीरः	अंजीर	
04.	तुलसी	तुलसी	Basil

 - 



05.	अपामार्ग	फुटकण्डा, चटर्वा, लटजीरा	
06.		भूमि-आंवला	
07.	अश्वगंधा:	असगंध	Withania Somnifera
08.	शतावर		
09.	घृतकुमारी	एलोवेरा	Aloe-vera
10.	अजगन्ध:	पुदीना	Pepper Mint
11.	शतपुष्प:	सौंफ	Fennelseeds
12.		कड़ीपत्ता	
13.		बणा	
14.		तिरमिरा	
15.	हरिद्रा	हल्दी	Termrik
16.	पलाण्डु	प्याज	Onion
17.	आर्द्रकम्	अदरक	Ginger
18.	लशुनम्	लहसुन	Garlic
19.	अमृता	गिलोय	
20.	ब्राह्मी		

२. औषधीनां निर्माणविधि:-

१.	शीतोपिलादी
२.	त्रिफला
३.	हिंमवष्टकतूर्ण
४.	दन्तमञ्जन

३. अन्यविधौषधीयतज्ञानम्

१.	हरिद्रायाः प्रयोगविधिः
२.	भूमिआंवला, ब्राह्मी इत्यस्य च प्रयोगविधिः
३.	लहशुनस्य प्रयोगविधिः
४.	दुग्धसेवनविधिः, भोजनसेवनविधिः, जलसेवनविधिः
५.	विपरीत-आहारः

व्याख्यानयोजना

व्याख्यानसंख्या	व्याख्यानविषयः
१-१०	दशकक्षासु औषधीनां उपयोगितायाः व्याख्यानम्
१०-२०	औषधीनां निर्माणविधिः





हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

हिमाचल, धर्मशाला, 176215, website: www.cuhimachal.ac.in



शास्त्री तृतीयं सत्रम् (24 श्रेयाङ्काः)

SHASTRI (BA SANSKRIT) – 3rd SEMESTER

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभागः

क्रमांक	कूट संख्या Course Code	पाठ्यक्रम नाम Course Name	श्रेयांक Credit	पेपर तैयार करने से सम्बन्धित (बाहरी परीक्षकों द्वारा, प्रयोगशाला, सेमिनार, फील्ड वर्क)
1.	MAJOR1 SKT 403	संस्कृतव्याकरणम् – 3 (धातुगणरूपाणि / VERBAL CONJUGATION)	4	बाहरी परीक्षकद्वारा
2.	MAJOR2 SKT 418	संस्कृतसाहित्यम् – 3 (नाटकम् / Drama)	4	परीक्षक बाहरी द्वारा
3.	MINOR1 SKT 433	व्यावहारिकज्योतिषम् (PRACTICAL ASTROLOGY)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
4.	INTER- DISCIPLINARY EEL 212	Reading and comprehension skills	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
5.	Community Connect SKT 486	सामुदायिकसम्पर्कपरियोजना (Community Connect Project)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
6.	LAB/FIELDWORK SKT 478	कृषिविज्ञानपरिचयः (Introduction to Agriculture Science)	2	SEMINAR/ प्रयोगशाला/ प्रोजेक्ट
7.	VOCATIONAL SKT 463	कर्मकाण्डम् (RITUALS)	2	बाहरी परीक्षक द्वारा

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

हिमाचल, धर्मशाला, 176215, website: www.cuhimachal.ac.in



संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभागः
सारणी (बसन्तसत्रम् - 2023)

क्रमांक	पाठ्यक्रम कूट संख्या Course Code	पाठ्यक्रम नाम Course Name	श्रेयांक Credit	पेपर तैयार करने से सम्बन्धित बाहरी परीक्षकों (फील्ड वर्क, सेमिनार, प्रयोगशाला, द्वारा)
शास्त्री तृतीय सत्रम् (24 श्रेयाङ्काः) SHAstri (BA SANSKRIT) – 3rd SEMESTER				
1.	MAJOR1 SKT 403	संस्कृतव्याकरणम् - 3 (धातुगणरूपाणि / VERBAL CONJUGATION)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
2.	MAJOR2 SKT 418	संस्कृतसाहित्यम् - 3 (नाटकम् / Drama)	4	परीक्षक बाहरी द्वारा
3.	MINORI SKT 433	व्यावहारिकं ज्योतिषम् (PRACTICAL ASTROLOGY)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
4.	INTER-DISCIPLINARY EEL 212	Reading and comprehension skills	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
5.	VOCATIONAL SKT 486	सामुदायिकसम्पर्कपरियोजना (Community Connect Project)	2	बाहरी परीक्षक द्वारा
6.	VOCATIONAL SKT 478	कृषिविज्ञानपरिचयः (Introduction to Agriculture Science)	2	SEMINAR/ प्रयोगशाला/ प्रोजेक्ट
7.	LAB/FIELDW ORK SKT 463	कर्मकाण्डम् (RITUALS)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा

BOS-14 (संलग्न-4)

64

Page 3 of 4

(Handwritten signature and initials)

शिक्षा निरुक्तञ्च (Siksha & Nirukta)

पाठ्यक्रमस्य कूटक्रमाङ्कः -SKT 344

क्रेडिट - 4

पाठ्यक्रमशीर्षकम् - शिक्षा निरुक्तञ्च (Siksha & Nirukta)

पाठ्यक्रमस्य उद्देश्यानि - याज्ञवल्क्यशिक्षायाः अध्ययनेन वर्णोच्चारणस्य ज्ञानम्, स्वरपरिचयः, स्वरज्ञानम्, हस्तसञ्चालनविधेः ज्ञानञ्च भवति । तेन वेदमन्त्रोच्चारणाभ्यासे स्पष्टता भवति । निरुक्ते सप्तमाध्यायस्य अध्ययनेन देवताज्ञानं भवति, ऋग्भेदस्य ज्ञानं निर्वचनज्ञानञ्च भवति ।

पाठ्यक्रमस्य प्रतिफलम् - याज्ञवल्क्यशिक्षायाः अध्ययनेन वर्णोच्चारणस्य ज्ञानम्, स्वरपरिचयः, स्वरज्ञानम्, हस्तसञ्चालनविधेः ज्ञानञ्च भविष्यति । तेन वेदमन्त्रोच्चारणाभ्यासे स्पष्टता भविष्यति । निरुक्ते सप्तमाध्यायस्य अध्ययनेन देवताज्ञानं भविष्यति, ऋग्भेदस्य ज्ञानं निर्वचनज्ञानञ्च भविष्यति । प्रतियोगिपरीक्षार्थं साहाय्यं भविष्यति ।

क्रेडिट :04 [एकम् क्रेडिट व्याख्यानम् - संघटितकक्ष्यागतिविधेः वैयक्तिकसम्पर्कस्य च १० होरासमानम्, प्रयोगशालायाः/व्यावहारिककार्यस्य/अनुशिक्षणस्य/शिक्षकनियन्त्रितगतिविधीनां ५ होरासमानम्, अन्यकार्याणि यथा स्वतन्त्रव्यक्तिगतकार्याणि, सामूहिककार्याणि, निर्धारितानि अनिवार्य/वैकल्पिककार्याणि, साहित्यसमीक्षा, पुस्तकालयकार्याणि, तथ्यसंग्रहाः, शोधपत्रलेखनम्, संगोष्ठीपत्रलेखनादि १५ होरासमानं भवति]

उपस्थिते अनिवार्यता - पाठ्यविषयस्य पूर्णतया अवबोधाय तस्य च लाभानां सुनिश्चयाय छात्राणां कक्ष्यासु उपवेशनम् अत्यन्तमनिवार्यमस्ति । कक्ष्यासु न्यूनतमं ७५% उपस्थितिः न भवति चेत् छात्राणां परीक्षासु उपवेशनस्य अवसरः निरस्तीकर्तुं शक्यते ।

मूल्याङ्कनस्य मापदण्डः -

(क)	माध्यमिकी परीक्षा	-	20%
(ख)	सत्रान्तपरीक्षा	-	60%
(ग)	सततम् आन्तरिकमूल्याङ्कनम्	-	20%

पाठ्यक्रमशीर्षकम् - शिक्षा निरुक्तञ्च ।

SKT 344

क्रेडिट - 4

सैद्धान्तिकम् 60% प्रायोगिकम् 40%

अन्वितिसंख्या

विषयः

अङ्काः

याज्ञवल्क्यशिक्षा

(क.)	त्रैस्वर्यलक्षणम्, मात्राधिकारः, अध्ययनविध्यधिकारः ।	20%
(ख.)	हस्तसञ्चालनविधिः ।	20%
(ग.)	वर्णप्रकरणम्, वर्णोच्चारणविधिः । अध्येतृधर्माः । निरुक्तम्	20%
(घ.)	सप्तमाध्यायः, निरुक्तम् ।	40%

निर्धारितग्रन्थाः-

१. याज्ञवल्क्यशिक्षा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।

(Handwritten signature)

२. यास्कीय हिन्दी निरुक्त, डॉ कपिलदेव शास्त्री, श्री चुन्नीलाल शुक्ल, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार
मेरठ उ.प्र. 250002 ।

सहायकग्रन्थाः

- क. निरुक्त मीमासा, पं. शिवनारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स दिल्ली ।
ख. निरुक्त शास्त्रम्, पण्डित भगवद्दत्त, रामलाल कपूर ट्रस्ट ।

व्याख्यानयोजना -

व्याख्यानसंख्या	व्याख्यानविषयः	निर्धारितपुस्तकानि
	याज्ञवल्क्यशिक्षा	
१-७	त्रैस्वर्यलक्षणम्, मात्राधिकारः, अध्ययनविध्यधिकारः ।	१
८-१४	हस्तसञ्चालनविधिः ।	१
१५-२४	वर्णप्रकरणम्, वर्णोच्चारणविधिः । अध्येतृधर्माः ।	१
२५-४०	सप्तमाध्यायः, निरुक्तम् ।	२

Handwritten signature in blue ink.



हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
हिमाचल, धर्मशाला, 176215, website: www.cuhimachal.ac.in



BOS-1)5 स्-5

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभागः

स्नातकोत्तरे तृतीयं sem (20 श्रेयांक)
MA – SANSKRIT 3rd SEMESTER

क्र.सं. (1)	पाठ्यक्रम कूट संख्या कोर्सकोड (2)	पाठ्यक्रम नाम कोर्स नाम (3)	श्रेयांक क्रेडिट (4)	पेपर तैयार करने से सम्बन्धित (बाहरी परीक्षक द्वारा, प्रयोगशाला, सेमिनार, फील्ड वर्क) (6)
1.	Major 1 (वैकल्पिकः) SKT 310	छन्दोलेखकारः काव्यसौन्दर्यञ्च (Metre, Figure of Speech and Poetic Beauty)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
2.	Major 1 (वैकल्पिकः) SKT311	भारतीयदर्शनं विशेषतः योगः (Indian Philosophy- Particularly Yoga)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
3.	Major 1 (वैकल्पिकः) SKT 366	महाभाष्यं वाक्यपदीयञ्च (Mahabhashy and Vakyapadiya)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
4.	Major 1 (वैकल्पिकः) SKT 344	शिक्षा निरुक्तञ्च (Siksha & Nirukta)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
5.	Minor 1 SKT331	अनुसन्धानपद्धतिः (Research Methodology)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
6.	Vocational/ Skill Development SKT332	तन्त्रांशमाध्यमेन तथ्यविश्लेषणम् (Data Analysis through Software)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
7.	Review of Literature SKT333	संस्कृतवाङ्मयस्य समीक्षा (Review of Sanskrit Literature)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा
8.	Research Proposal SKT334	शोधप्रस्तावः (Research Proposal)	4	बाहरी परीक्षक द्वारा

BOS



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

(Accredited by NAAC with 'A+' Grade with CGPA of 3.42)

विभाग का नाम : संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग

दिनांक: 13.09.2023

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) का कार्यवृत्त

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर-1 में 13 सितम्बर, 2023 को दोपहर 12:00 बजे प्रतिभासीय (online) और प्रत्यक्ष (offline) माध्यम से सम्पन्न हुई।

शोध उपाधि समिति के सम्मानित सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं :

1. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, भाषा संकाय (पदेन)	अध्यक्ष
2. प्रो. योगेन्द्र कुमार, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग विभागाध्यक्ष (पदेन)	सदस्य
3. प्रो. पणेश भारद्वाज, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत विश्वविद्यालय होशियारपुर (बाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य
4. प्रो. विद्या शारदा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (बाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य
5. प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय केजे सोमैया परिसर, मुंबई (बाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य
6. डॉ. कलदीपकुमार, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग	सदस्य
7. डॉ. विवेक शर्मा, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग	सदस्य
8. डॉ. अर्चना कुमारी, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग	सदस्य
9. डॉ. एन. वैति सुब्रमणियन, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग	सदस्य
10. डॉ. रणजीत कुमार, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग	सदस्य
11. डॉ. दिग्विजय फूकन, सहायक आचार्य, समाज-कार्य विभाग	सदस्य
12. डॉ. पजहरि दास, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग	सदस्य

शोध उपाधि समिति की कार्य सूची इस प्रकार से है :-

- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग में शोधार्थियों सत्र (2021-24) के शोध विषय के संदर्भ में।
- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग में शोधार्थी असीम हालदार सत्र (2018-21) के विषय के संशोधन के संदर्भ में।

अधिष्ठाता, भाषा संकाय

विषय :1 संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग में शोधार्थियों सत्र (2021-24) के शोध विषय के अनुमोदन हेतु।

कार्य विवरण

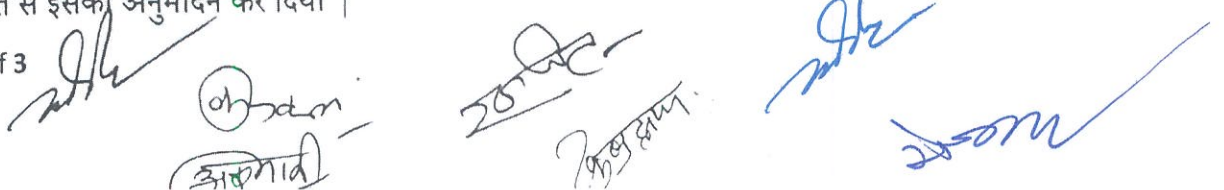
संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग में सत्र 2021-24 के सात शोधार्थियों के शोध विषयों को शोध उपाधि समिति ने विचार करने के उपरांत अनुमोदित किया। अनुमोदन के बाद शोधार्थियों के विषय इस प्रकार से है -

क्र. सं.	पंजीकरण सं.	शोधार्थियों के नाम	पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक के नाम /	शोध विषय
1	CUHP21RDSKT01	ANIKA KAUSHAL	डॉ. अर्चना कुमारी	दक्षविजयचम्पूकाव्यस्य पाण्डुलिपे: सम्पादन समीक्षात्मकमध्ययनञ्च
2	CUHP21RDSKT03	KHEM RAJ	डॉ. भजहरि दास	श्रीमद्भागवताग्निमहापुराणयोः यौगिकसिद्धीनां विवेचनम्
3	CUHP21RDSKT04	MEENAKSHI GARG	डॉ. एन. वैति सुब्रमणियन	भवदेवमिश्रविरचिताया : युक्तभवदेवपाण्डुलिपे: सम्पादन समीक्षात्मकमध्ययनञ्च
4	CUHP21RDSKT05	NEETA RAM	डॉ. एन. वैति सुब्रमणियन	सिरमौरजनपदस्य गिरिपारक्षेत्रस्य लोकवाचि संस्कृतमूलकशब्दानां भाषावैज्ञानिकमध्ययनम्
5	CUHP21RDSKT06	RAJ KUMAR	डॉ. विवेक शर्मा	विष्णुधर्मोत्तरपुराणे कर्मकाण्डप्रयोगाणां समीक्षात्मकमध्ययनम्
6	CUHP21RDSKT07	SUNIL DUTT	डॉ. रणजीत कुमार/ डॉ. दिग्विजय फूकन	हिमाचलप्रदेशे संस्कृतभारती कार्याणां समीक्षणम्
7	CUHP21RDSKT08	SUNIL KUMAR	डॉ. रणजीत कुमार	शतपथब्राह्मणस्य प्रथमकाण्डे प्रयुक्तानां धातूनां पाणिनीय - धातुपाठदृष्ट्या विश्लेषणात्मकमध्ययनम्



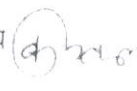
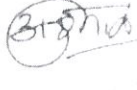
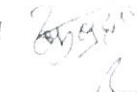

विषय :2 संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग में शोधार्थी असीम हालदार सत्र (2018-21)के विषय के संशोधन की अनुमति हेतु।

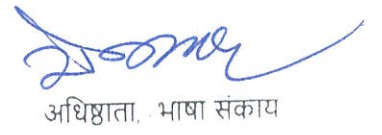
कार्य विवरण

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग में शोधार्थी असीम हालदार पंजीकरण सं CUHP18RDSKT02 सत्र (2018-21)का विषय "दूतकाव्येषु मनोदूतकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम् (विष्णुदासकृतमनोदूतकाव्यस्य विशेषसन्दर्भे) था जिसे संशोधित कर 'संस्कृतदूतकाव्येषु मनोदूतकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम् (विष्णुदासकृतमनोदूतकाव्यस्य विशेषसन्दर्भे)' कर दिया गया। इससे विषय का सीमांकन अधिक स्पष्ट हो गया। समिति के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से इसका अनुमोदन कर दिया।



शोध उपाधि समिति के सम्मानित सदस्यों के नाम

1. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, भाषा संकाय (पदेन) अध्यक्ष 
2. प्रो. योगेन्द्र कुमार, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, विभागाध्यक्ष (पदेन) सदस्य 
3. प्रो. गणेश भारद्वाज, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत विश्वविद्यालय होशियारपुर (बाह्य विषय विशेषज्ञ) सदस्य
4. प्रो. विद्या शारदा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (बाह्य विषय विशेषज्ञ) सदस्य
5. प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय केजे सोमैया परिसर, मुंबई (बाह्य विषय विशेषज्ञ) सदस्य
6. डॉ. कुलदीपकुमार, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग सदस्य 
7. डॉ. विवेक शर्मा, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग सदस्य
8. डॉ. अर्चना कुमारी, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग सदस्य 
9. डॉ. एन. वैति सुब्रमणियन, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग सदस्य 
10. डॉ. रणजीत कुमार, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग सदस्य 
11. डॉ. दिग्विजय फूकन, सहायक आचार्य, समाज-कार्य विभाग सदस्य
12. डॉ. भजहरि दास, सहायक आचार्य, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग सदस्य



अधिष्ठाता, भाषा संकाय



Department of Sanskrit <office_skt@hpcu.ac.in>

शोध उपाधि समिति (RDC) के कार्यवृत्त के संदर्भ में।

Ganeshdutt Bhardwaj <gdbhardwaj2006@gmail.com>
To: Department of Sanskrit <office_skt@hpcu.ac.in>

Wed, Oct 18, 2023 at 12:17 PM

महोदय, शोध उपाधि समिति के कार्य वृत्त को पूर्णतया अनुमोदित किया जाता है। प्रोफेसर गणेश भारद्वाज:। 18/10/2023
[Quoted text hidden]



, आदरणीय विभागाध्यक्ष,

2 messages

Dr. Vidya Sharda <drvidyasharda@gmail.com>
To: office_skt@hpcu.ac.in

Mon, Oct 23, 2023 at 6:54 PM

विषय:-शोध समिति के कार्य वृत्त का अनुमोदन
महोदय,
मैं उक्त कार्य वृत्त का अनुमोदन करती हूं।
धन्यवाद ।
शुभाभीलाषी।
विद्या शारदा

Dr. Vidya Sharda <drvidyasharda@gmail.com>
To: office_skt@hpcu.ac.in

Mon, Oct 23, 2023 at 7:34 PM

[Quoted text hidden]